शिकायतों को राज्य सरकार के ध्यान में ला दिया गया है । यह मामला राज्य सरकार के पास विचाराधीन है ।

(ग) अन्तत: परियोजना 13.88 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को वार्षिक सिंचाई प्रदान करेगी । अब तक प्राप्त वास्तविक सिंचाई 5.35 लाख हैक्टेयर है ।

(घ) राज्य सरकार द्वारा आठवीं योजना में नोहर, सिद्धमुख और नर्मदा नामक तीन वृहद परियोजनाओं को चलाने का विचार किया है ।

राजस्थान में सिंचाई परियोजनाओं के लिये केन्द्रीय सहायता

1069. **डा० अबरार अहमद खान:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय देश में केन्द्रीय सरकार द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार की सहायता से कितनी सिंचाई परियोजनायें चलायी जा रही हैं;

(ख) उन सिंचाई परियोजनाओं में से कितनी परियोजनाएं राजस्थान की हैं तथा राजस्थान से संबंधित इन परियोजनाओं पर पृथक-पृथक अब तक केन्द्र सरकार द्वारा कितना धन खर्च किया जा चुका है अथवा भविष्य में खर्च किए जाने की सम्भावना है और इन परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की संभावना है ;

(ग) क्या राजस्थान में इन सिंचाई परियोजनाओं के पूरा होने के बाद वहां पर विद्यमान अकाल की स्थायी समस्या का मुकाबला किया जा सकेगा और इन परियोजनाओं के पूरा होने पर कितने एकड़ भूमि की सिंचाई होने की सम्भावना है ;

(घ) क्या राजस्थान में मरुभूमि क्षेत्र और अकाल की निरंतर स्थिति को देखते हुए, सरकार द्वारा कोई विस्तृत सिंचाई परियोजना शुरू करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) और (ख) सामान्यतया सिंचाई परियोजनाओं की आयोजना, वित्तपोषण तथा क्रियान्वयन राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है तथा केन्द्रीय सहायता ब्लाक अनुदानों और ऋणों के रूप में दी जाती है। देश में पांच परियोजनाएं हैं, जिनके लिए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता प्रदान की जा रही है, इनमें से एक राजस्थान में इंदिरा गांधी नहर परियोजना है । इस परियोजना के लिए वर्ष 1988-89 तक केन्द्रीय सरकार द्वारा सूखा राहत के अन्तर्गत 20 करोड़ रुपये सहित 101 करोड़ रुपये आबंटित किए गए है। कमान क्षेत्र विकास कार्यों, जिनका अलग से वित्त पोषण किया जा रहा है, के अतिरिक्त वर्ष 1989-90 के लिए परिव्यय 26 करोड़ रुपये होने की आशा है। इस परियोजना के स्तर-I के सातवीं योजना में पूरा होने की आशा है तथा स्तर-II को आठवीं योजना में आगे लाया जायेगा।

(ग) इंदिरा गांधी नहर परियोजना के साथ कुछ अन्य सिंचाई परियोजनाओं को राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसके पूरा होने पर बार-बार आने वाला अकाल काफी हद तक समाप्त हो जायेगा।

(घ) और (ङ) आठवीं योजना में शुरू की जाने वाली नोहर, सिद्धमुख तथा नर्मदा नामक तीन बृहद परियोजनाओं पर विचार किया गया है जिससे लगभग 137 हजार हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता और बढ़ जायेगी ।

Export of cotton

1070. SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what is the quota of cotton fixed for export during the current financial year;

(b) how much of the above has been allotted to Maharashtra;

(c) whether the above quotas are likely to be fulfilled; and

(d) if not, what will be the likely shortfall and the reasons for the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI RAFIQUE ALAM): (a) The Government have so far released in the current cotton year a quota of 51,241 bales of Bengal Deshi for export.

(b) No specific quota has been allotted to any State.

(c) Yes, Sir.

(d) Does not arise.

Working of cooperative spinning mills in Maharashtra

1071. SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of cooperative spinning mills in Maharashtra have been facing difficulties due to outmoded machinery and accumulated losses etc.;

(b) if so, what are the names of such mills;

(c) whether IDBI or other financial instutions have sanctioned any term loans to the above mills to help them tide over their difficulties;

(d) if so, what are the details thereof; and

(e) what is the present state of working of those mills?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI RAFIQUE ALAM): (a) and (b) A Statement is attached. (See below).

(c) to (e) IDBI has sanctioned loans amounting to Rs. 2923 lakhs to the cooperative spinning mills of Maharashtra under the Textile Modernisation Fund Scheme for the purposes of Modernisation.

Statement

The various co-operative spinning mills of Maharashtra which are reported to be incurring losses on account of various reasons including outdated machinery as on 30-6-88 are as below:-

1. The Amravati Growers Co-operative Spinning Mills Limited, Amravati.
2. Aurangabad District Cotton Growers Cooperative Spinning Mills Limited, Aurangabad.
3. The Jalgaon Cotton Growers Co-operative Spinning Mills Limited, Nagardeola.
4. The Maharashtra Cooperative Spinning Mills Limited, Bhusaval.
5. The Nanded Sahakari Soot Girni Maryadit, Nanded.
6. The Nagpur Vinkari Sahakari Soot Girni Maryadit, Nagpur.
7. The Nasik District Cooperative Spinning Mills Limited, Theongode.
8. The Nilkanth Sahakari Soot Girni Ltd., Akola.
9. The Rahuri Taluka Shetkari Sahakari Soot Girni Ltd., Rahuri.
10. The Shrirampur Taluka Kapus Utpadak Sahakari Soot Girni Maryadit, Shrirampur.
11. The Vasant Sahakari Shetkari Soot Wa Kapad Girni Ltd., Pandherkawda.